अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की सत्र २०२०-२२ की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की द्वितीय बैठक का कार्यवृत

रविवार, २० जून २०२१; वीडियो कान्फ्रेंस के माध्यम से

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की सत्र २०२०-२१ की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की द्वितीय बैठक २० जून २०२१ को वीडियो कान्फ्रेंस के माध्यम से आयोजित की गयी। बैठक का सभापतित्व सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया ने किया।

बैठक में निम्नलिखित उपस्थित थे:

१. श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया	२. श्री सीताराम शर्मा	३. श्री नंदलाल रुँगटा	४. श्री प्रह्लाद राय अगरवाला
५. श्री संतोष सराफ	६. श्री भानीराम सुरेका	७. श्री विजय कुमार लोहिया	८. श्री पवन कुमार गोयनका
९. श्री पवन कुमार सुरेका	१०. श्री अशोक कुमार जालान	११. डॉ. श्याम सुंदर हरलालका	१२. श्री संजय हरलालका
१३. श्री गोपाल अग्रवाल	१४. श्री सुदेश अग्रवाल	१५. श्री बसंत कुमार मित्तल	१६. श्री दामोदर बिदावतका
१७. श्री आत्माराम सोन्थलिया	१८. श्री नंदलाल सिंघानिया	१९. श्री विवेक गुप्त	२०. श्री शिव कुमार लोहिया
२१. श्री कैलाशपति तोदी	२२. श्री अनिल जाजोदिया	२३. श्री विनय सरावगी	२४. श्री महेश जालान
२५. डॉ. सुभाष अग्रवाल	२६. श्री गोविन्द अग्रवाल	२७. श्री ओमप्रकाश खण्डेलवाल	२८. श्री चाँदमल अग्रवाल
२९. श्री संतोष खेतान	३०. श्री नंदकिशोर अग्रवाल	३१. श्री गोकुल चंद बजाज	३२. श्री अशोक कुमार मूँधड़ा
३३. श्री श्याम सुन्दर अग्रवाल	३४. श्री लक्ष्मीपत भूतोड़िया	३५. श्री पवन शर्मा	३६. श्री भागचंद पोद्दार
३७. श्री राजकुमार मिश्रा	३८. श्री बिनोद तोदी	३९. श्री रतनलाल बंका	४०. श्री नारायण प्रसाद डालमिया
४१. श्री निर्मल कुमार काबरा	४२. श्री ओम प्रकाश पोद्दार	४३. श्री मधुसूदन सीकरिया	४४. डॉ. ओम प्रकाश प्रणव
४५. श्री शिव कुमार टेकरीवाल	४६. श्री अशोक अग्रवाल	४७. श्री दिनेश जैन	४८. श्री निर्मल झुनझुनवाला
४९. श्री रमेश कुमार बूबना	५०. श्री राजकुमार केडिया	५१. श्री अशोक केडिया	५२. श्री रंजीत जालान
५३. श्री कमल नोपानी	५४. श्री केदारनाथ गुप्ता	५५. श्री अशोक गुप्ता	५६. श्री जगदीश गोलपुरिया
५७. श्रीमती शारदा लाखोटिया			

निम्नलिखित सदस्यों ने अनुपस्थिति की सूचना दी:

१. डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया	२. श्री राम अवतार पोद्दार		

बैठक में सर्वप्रथम राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया ने सबका स्वागत किया। अपने वक्तव्य में श्री गाड़ोदिया ने कहा कि पूरे भारत में सम्मेलन की शाखायें कोरोनाकाल में समर्पित भाव से जरूरतमंदों की सेवा कर रही हैं और वर्तमान परिस्थितियों में यही हमारा दायित्व है। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की आपदा की स्थिति में तन-मन-धन से पीड़ितों की सहायता करना हमारी परम्परा रही है और हम इसके निर्वहन में पीछे नहीं हटेंगे। श्री गाड़ोदिया ने सभी उपस्थितों को गंगा दशहरा और 'फादर्स डे' की बधाइयाँ दी और कहा कि हम सभी की यह नैतिक जिम्मेवारी है कि एक पिता के रूप में ऐसे आदर्श प्रस्तुत करें जो हमारी अगली पीढ़ी के लिए अनुकरणीय हों।

श्री गाड़ोदिया ने कहा कि केन्द्रीय सम्मेलन की कोरोना-राहत सेवाकार्य समिति के चेयरमैन श्री सीताराम शर्मा के मार्गदर्शन में पहले एक लाख मास्कों का सम्मेलन की प्रादेशिक शाखाओं के माध्यम से वितरण हुआ और अन्नपूर्णा रसोई कार्यक्रम के अन्तर्गत सितम्बर २०२० से लगातार कोलकाता/हवड़ा के विभिन्न स्थानों पर प्रतिदिन नि:शुल्क भोजन वितरण किया जा रहा है। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बताया कि लगभग हरेक प्रादेशिक शाखा

द्वारा नि:शुल्क भोजन वितरण का कार्य हाथ में लिया गया है और सुचारु रूप से चलाया जा रहा है।

श्री गाड़ोदिया ने कहा कि केन्द्र एवं राज्य सरकारों की विभिन्न योजनाओं यथा आयुष्मान योजना, आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के लिए सेवाओं में दस प्रतिशत आरक्षण की योजना, आदि के विषय समाज के लोगों को जागरूक करने की आवश्यकता है, ताकि वे इनका लाभ उठा सकें। उन्होंने प्रादेशिक शाखाओं से इस सम्बंध में यथोचित प्रचार-प्रसार का अनुरोध किया।

श्री गाड़ोदिया ने कहा कि कोरोना-काल की सीमाओं के कारण, उनके स्वयं, और राष्ट्रीय पदाधिकारियों, के दौरों के कार्यक्रम प्रभावित हुए हैं और सम्मेलन के संगठन-विस्तार पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। उन्होंने कहा कि विपरीत परिस्थितियों के बावजूद कुछ प्रादेशिक शाखाओं, विशेषकर बिहार, झारखंड एवं कर्नाटक, ने संगठन-विस्तार की गति को बनाये बनाये रखा है और ये साधुवाद के पात्र हैं।

बैठक में राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की पिछली बैठक (वीडियो कांफ्रेस के माध्यम से २८ फरवरी २०२१ को आयोजित) का कार्यवृत सर्वसम्मति से पारित हुआ। राष्ट्रीय महामंत्री श्री संजय हरलालका ने पिछली बैठक के बाद के सम्मेलन के क्रियाकलापों पर महामंत्री की रपट प्रस्तुत की। श्री हरलालका ने कहा कि वैश्विक संकट की स्थिति होने के बावजूद, कोरोना-काल के कुछ सकारात्मक पहलू भी सामने आये हैं। भले वीडियो का ही माध्यम हो, कोरोना ने कहीं न कहीं हमें जोड़ने का काम भी किया है।

राष्ट्रीय महामंत्री श्री संजय हरलालका ने बताया कि कार्पोरेट सोशल रेस्पांसिबिलिटीज (सी.एस.आर.) के अन्तर्गत प्राप्त अनुदानों के लिए आयकर में छूट के प्रावधान का अधिकार सम्मेलन को प्राप्त नहीं है और इसकी आवश्यकता महसूस की जा रही है। विचार-विमर्श के बाद, सम्मेलन के राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री श्री गोपाल अग्रवाल को इस विषय में आवश्यक कार्यवाही का दायित्व दिया गया।

प्रादेशिक अध्यक्षों सर्वश्री ओमप्रकाश खण्डेलवाल (पूर्वोत्तर), गोविन्द अग्रवाल (उत्कल), डॉ. सुभाष अग्रवाल (कर्नाटक), अशोक कुमार मूँधड़ा (तमिलनाडु), श्याम सुन्दर अग्रवाल (केरल), नंदकिशोर अग्रवाल (पश्चिम बंग), लक्ष्मीपत भूतोड़िया (दिल्ली), गोकुल चन्द बजाज (गुजरात), संतोष खेतान (उत्तराखंड), महेश जालान (बिहार) एवं झारखंड सम्मेलन के महामंत्री श्री पवन शर्मा ने अपनी-अपनी प्रादेशिक शाखाओं की गतिविधियों, विशेषकर कोरोना-राहत सम्बंधी सेवाकार्यों, पर रपट प्रस्तुत की।

राष्ट्रीय उपाध्यक्षों सर्वश्री भानीराम सुरेका (प्रभारी - पश्चिम बंग), पवन कुमार गोयनका (प्रभारी - दिल्ली, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र एवं गुजरात), अशोक जालान (प्रभारी - उत्कल, छत्तीसगढ़ एवं आन्ध्र प्रदेश), डॉ. श्याम सुन्दर हरलालका (प्रभारी - पूर्वोत्तर) एवं विजय कुमार लोहिया (प्रभारी - तमिलनाडु, तेलंगाना, कर्नाटक एवं केरल) ने अपने संक्षिप्त वक्तव्य रखे और अपने प्रभार के प्रान्तों की गतिविधियों की समीक्षा प्रस्तुत की।

बैठक में पधारीं अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमती शारदा लाखोटिया ने महिला सम्मेलन द्वारा किए जा रहे सेवाकार्यों के विषय में बताया और कहा कि समय की माँग है कि समाज के सभी तबके और सभी संस्थायें, विशेषकर अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन, अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन और अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच मिल-जुलकर आपसी समन्वय के साथ कार्य करें।

सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं राजनैतिक चेतना उपसमिति के चेयरमैन, विधायक श्री विवेक गुप्त ने पश्चिम बंग सरकार द्वारा आयोजित नि:शुल्क टीकाकरण अभियान के विषय में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में कोरोना से बचाव और ग्रसित होने पर समय से उपचार तो आवश्यक है ही, साथ ही टीकाकरण का भी कोई विकल्प नहीं है। उन्होंने सभी से यथाशीघ्र टीका लगवाने का आह्वान किया और इस विषय में हर प्रकार के सहयोग का आश्वासन दिया।

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ ने टीकाकरण की गति बढ़ाने और यथाशीघ्र सभी का टीकाकरण सुनिश्चित करने को महत्वपूर्ण बताया। पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रह्लाद राय अगरवाला ने ग्रामीण क्षेत्रों में चिकित्सा-सहायता पहुँचाने की आवश्यकता पर बल दिया।

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नंदलाल रुँगटा ने सम्मेलन की सर्वांगीण प्रगति की प्रशंसा की और कहा कि संवाद एवं समन्वय की स्थिति पहले से बहुत बेहतर हुई है। सम्मेलन के सेवाकार्यों पर संतोष व्यक्त करते हुए उन्होंने सलाह दी कि नि:शुल्क भोजन वितरण के कार्यक्रम बड़े अस्पतालों के नजदीक आयोजित करना बेहतर होगा, इससे कोरोना-पीड़ितों के परिजनों को लाभ होगा।

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा ने अपने सम्बोधन में सम्मेलन द्वारा किए जा रहे सेवाकार्यों पर हर्ष जताया और कहा कि इससे सभी को प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने कहा कि कोरोना-पीड़ितों के सहयोग में केन्द्रीय सम्मेलन, प्रादेशिक एवं स्थानीय शाखायें जो महती भूमिका निभा रही हैं, वे प्रशंसनीय एवं अनुकरणीय हैं। श्री शर्मा ने कहा कि समाज सुधार सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य है, तथापि वर्तमान परिस्थितियों में सेवा का महत्व अधिक है।

उन्होंने कहा कि एकता, एकजुटता और समर्पण के साथ सेवाकार्यों को अंजाम देकर प्रान्तीय शाखाओं ने सम्मेलन को एक नयी ऊँचाई प्रदान की है।

धन्यवाद-ज्ञापन करते हुए राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री पवन कुमार सुरेका ने अपने प्रभार के प्रांतों बिहार, झारखंड एवं उत्तर प्रदेश के गतिविधियों के विषय में संक्षेप में बताया। धन्यवाद-ज्ञापन के बाद बैठक सम्पन्न हुई।

राष्ट्रीय अध्यक्ष *राष्ट्रीय महामंत्री*